विकास की धुरी बनेगा गोरखपुर : मोदी

प्रधानमंत्री ने खाद कारखाना, एम्स और आरएमआरसी की नौ प्रयोगशालाओं का किया लोकार्पण

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को खाद कारखाना मैदान के भव्य समारोह में 10 हजार करोड़ की लागत वाले अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) गोरखपुर, खाद कारखाना और इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के रीजनल मेडिकल रिसर्च सेंटर (आरएमआरसी) का लोकार्पण किया। साथ ही कहा कि गोरखपुर इस क्षेत्र में विकास की धुरी बनेगा। यह खाद कारखाना न केवल पर्याप्त यूरिया देगा, बल्कि रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। कारोबार, सहायक उद्योग, परिवहन और सेवा क्षेत्र को भी बढ़ावा मिलेगा।

खचाखच भरे मैदान में मोदी ने कहा कि पूर्वी यूपी के विकास की दृष्टि से यह तिथि महत्वपूर्ण है। पहले की सरकारों की बेरुखी व उनका दोहरा रवैया भी याद आ रहा है। गोरखपुर का बंद पड़ा खाद कारखाना समूचे क्षेत्र के किसानों व रोजगार के लिए कितना जरूरी था, लेकिन पहले की सरकारों को इसमें दिलचस्पी नहीं थी। एम्स की मांग भी वर्षों से थी। साल 2017 के पहले की सरकार जमीन देने में आनाकानी करने में जुटी थी। एम्स को लेकर बात जब आरपार की आ गई, तब जमीन आवंटित की गई। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले फर्टिलाइजर सेक्टर की स्थिति खराब थी। देशभर में यूरिया की किल्लत सुर्खियों में होती थी।

प्रधानमंत्री का अभिवादन करते मुख्यमंत्री।

भारत में यूरिया सस्ती, किसानों पर बोझ नहीं

प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में खाद की कीमतों में वृद्धि का बोझ किसानों पर नहीं पड़ने दिया गया। इसी साल एनपीके पर 43 हजार करोड़ और यूरिया पर 33 हजार करोड़ सब्सिडी बढ़ाई गई है। एनपीके व यूरिया के दाम नहीं बढ़ेंगे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूरिया 60-65 रुपये किलो मिल रहा है।

पहले खाड़ी का तेल, अब झाड़ी का तेल

प्रधानमंत्री ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों के विकल्प के रूप में बायोफ्यूल को बढ़ावा दिया जा रहा है। कच्चे तेल पर देश प्रतिवर्ष 5-7 लाख करोड़ रुपये खर्च करता है। इसी का नतीजा है कि अब एथेनॉल और बायोफ्यूल पर जोर दिया जा रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश गन्ना किसानों का गढ़ है। एथेनॉल गन्ना किसानों के अतिरिक्त कमाई का बेहतर साधन हो सकता है।

पहले की सरकारों में चीनी मिलों के खेल व घोटाले जगजाहिर

प्रधानमंत्री ने कहा कि पहले की सरकारों में चीनी मिलों का खेल और घोटाले जगजाहिर हैं। मुख्यमंत्री योगी की तारीफ करते हुए कहा, प्रदेश सरकार ने गन्ना किसानों के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। किसानों के हित में गन्ने का लाभकारी मूल्य बढ़ाया है। सपा-बसपा ने 10 वर्ष में जितना भुगतान किया था, उतना योगी सरकार ने साढ़े चार साल में कर दिया है। पहले की सरकारों ने गन्ना मूल्य का भुगतान लटकाया था। किस्तों के पैसे में भी महीनों का अंतर होता था।

पीएम मोदी ने बदल दी धारणा : योगी

सीएम ने कहा-पिछली सरकारों ने पूर्वी उत्तर प्रदेश की अनदेखी की, क्षेत्र को बीमारू बताया था

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि पिछली सरकारों ने गोरखपुर और पूर्वी उत्तर प्रदेश के बारे में गलत धारणा बनाई थी। क्षेत्र को बीमारू बताया था। मलेरिया, कालाजार, इंसेफलाइटिस और अन्य विषाणु जनित रोगों से 40 सालों तक लगातार मौतें होती रहीं, लेकिन केंद्र व राज्य सरकारें मौन धारण कर तमाशबीन बनी रहती थीं। हर व्यक्ति के प्रति संवेदना और आत्मनिर्भरता के सपनों को सजाने वाले प्रधानमंत्री ने इसे बदला है।

दस हजार करोड़ रुपये की तीन परियोजनाओं के लोकार्पण समारोह के बाद आयोजित रैली में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की लंबी श्रृंखला खड़ी हो रही है। साल 2017 तक निजी व सरकारी क्षेत्र में 17 मेडिकल कॉलेज थे। अब 59 जिलों में मेडिकल कॉलेज की सुविधा मिल गई है या काम चल रहा है। 16 और जिलों में मेडिकल कॉलेज बनाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जा रही है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। देवरिया, सिद्धार्थनगर, बस्ती, बहराइच, अयोध्या में मेडिकल कॉलेज खुल गया है। कुशीनगर, बलरामपुर गोंडा में निर्माण कार्य चल रहा है।

गोरखपुर में ही विश्व स्तरीय जांच की सुविधा

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गोरखपुर में इंसेफलाइटिस मरीजों के सैंपल जांच के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट आफ वायरोलॉजी (एनआईवी) पुणे भेजे जाते थे। जब तक जांच कंफर्म होती थी, तब तक मरीज मर जाते थे या फिर दिव्यांगता के शिकार हो जाते थे। प्रधानमंत्री ने आरएमआरसी की नौ प्रयोगशालाओं की सौगात दी है। अब गोरखपुर में ही विश्व स्तरीय जांच की सुविधा उपलब्ध हो गई है। कोरोना, इंसेफेलाइटिस, कालाजार, डेंगू जैसर विषाणुजनित बीमारियों की जांच की सुविधा अब यहीं मिलने लगेगी।

आत्मनिर्भर भारत की नई तस्वीर : मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के अमृत और चौरीचौरा के शताब्दी महोत्सव के अवसर पर पीएम के हाथों मिली इन बड़ी परियोजनाओं की सौगात आत्मनिर्भर भारत की नई तस्वीर है।